with the consent of the State concerned;

(b) whether this diversion of electricity will adversely affect the Kharif prospects;

(c) whether the diverted power is being used for un-productive purposes by the Delhi Electricity Supply Undertaking;

(d) what steps Government envisage to take to protect the Kharif prospects; and

(e) whether Government will make it certain that the farmers get uninterrupted power for the crop?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN): (a) to (e). Power transfers from Bhakra system to DESU system and vice versa take place all the time and these transactions are settled on a global accounting basis. DESU has however been advised to restrict its drawals from Bhakra system to the minimum. Distribution to consumers within a State is the responsibility of the State concerned.

Power Consumption by Coal India

2297. SHRI B. R. NAHATA:
SHRI DALBIR SINGH:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) how much power is being consumed by coal India for different collieries in each State and what is the rate at which Coal India takes power from each power station; and

(b) how much power is being given each year by MPEB to Coal India in Madhya Pradesh for the last five years and at what rate?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN): (a) and (b). The information is being collected and would be laid on the Table of the House.

जले हुए मोबिल ग्रायल का प्रयोग

2298. श्री राम लाल राही : क्या पेट्रोलियम, रसायन ग्रौर उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जले हुए मोबिल ग्रायल का शोधन करके पुन: प्रयोग में लाने से यह कम खर्चीला होगा ;

(ख) क्या जो देश जले हुए मोबिल ग्रायल को रिफाइन करके इसका पुन: प्रयोग करते हैं उनका सहयोग लेकर उनकी तकनीकी जानकारी का लाभ उठाने का प्रयास किया गया है ; ग्रौर

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार का विचार प्राइवेट कम्पनियों द्वारा गलत प्रणाली से साफ करके तैयार किए गए हानिकारक शोधित तेल के प्रयोग पर प्रतिबन्ध लगाने का है ग्रौर इस सम्बन्ध में विस्तृत ब्योरा क्या है ।

पेट्रोलियम, रसायन ग्रौर उर्वरक मंत्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) : (क) जी हां, ग्रगर प्रयोग किए गये तेल को उचित तरीके से शोधित किया जाए ।

(ख) भारतीय मानक संस्थान देश में तथा बाहर उपलब्ध तकनीकी जानकारी को ध्यान में रखते हुए ग्राटोमोटिव पुन: शोधित स्नेहक तेलों के लिए निर्देशन तैयार कर रहा है ।

(ग) सरकार ने पुन: शोधनकार्तांग्रों के पंजीकरण की एक योजना प्रारम्भ की है जिससे कि प्रयोग किए गए तेल के पुन: शोधन द्वारा उससे उच्च कोटि के स्नेहकों को प्राप्त करने में उपभोक्ताग्रों के हितों की रक्षा की जा सके ।